Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 53–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 31, 2024 (PAUSA 10, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 18 दिसम्बर, 2024

संख्या 12/250–रानी की डयोढी–2024/पुरा/4483–91.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, अधिसूचना संख्या 12/250–रानी की डयोढी–2024/पुरा/2657–2664, दिनांक 24 जुलाई, 2024 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैः–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
रानी की डयोढी 20वीं शताब्दी पूर्व	रानी की डयोढी 20वीं शताब्दी पूर्व	रेवाड़ी	रेवाड़ी	लाल डोरा नगरपालिका समिति	633 वर्ग गज	राव बिजेंद्र कुमार जी पुत्र श्री राव भूपेंद्र सिंह निवासी रानी की डयोढी, रेवाडी	1675 में निर्मित रानी की डयोढी कटला बाजार गली में गोकुल गेट से सडक पर स्थित है। यह संरचना राव नंद राम द्वारा बनाई गई थी और अब इसका स्वामित्व राव बजिंदर सिंह के पास है। इस परिसर में कुछ इमारतें शामिल है। मुख्य भवन का उपयोग निवास, कचेहरी या अदालत स्कूल और पुरोहित के लिए हवेली के रूप में भी किया जाता है। हाथी कुंड या हाथी अस्तबल भी परिसर का एक हिस्सा है। लाला लाजपत राय ने उस स्कूल में पढाई की थी जो इस परिसर का एक हिस्सा है। निर्मित परिसर में प्रवेश झरोखा और लाखों की एक श्रृंखला के साथ एक धनुषाकार प्रवेश द्वार के माध्यम से होता है। तहखाने से एक सुरंग इस इमारत को

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
							नंदसागर या छोटा तालाब से जोडती है। निर्माण संरचना छोटी ईटों के साथ अरावली पहाड़ियों के स्थानीय पत्थर से बनी है और चूने के प्लास्टर से तैयार की गई है। अग्रभाग अलंकृत है और सजावटी प्लास्टर कार्य द्वारा पूर्ण किया गया है।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 18th December, 2024

No. 12/250-Rani ki Deodhi-2024/pura/4483-91.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to the Haryana Government, Heritage and Tourism Department, notification No. 12/250-Rani ki Deodhi-2024/pura/2657-2664, dated the 24th July, 2024, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monuments specified in column 1 of Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district	Revenue Khasra/Kila number under protection	Area to be protecte dKanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Rani ki Deodhi, 20th Century CE,	Rani ki Deodhi, 20th Century CE	Rewari	Rewari	Lal Dora (Municipal Committee)	633 sq. yards	Rao Bijender Singh S/o Rao Bhupinder Singh R/o Rani ki Deodhi, Rewari	Built in 1675, Rani Ki Deodhi is located in Katla Bazaar Gali, on the road from Gokul Gate. This structure was built by Rao Nand Ram and is now owned by Rao Bajinder Singh. The Complex comprises few buildings. The main building has been used as a residence, a kachehri or a court school and also as a haveli for a Purohit. Haathi Kund or elephant stable is also a part of the complex. Lala Lajpat Rai had studied in the school that forms a part of this complex. The entrance to the built complex is through an arched gateway with jharokha and a series of niches. A tunnel from the basement connects this building to the Nandsagar or Chhota Talab. The build structure is in local stone from Aravalli hills along with small bricks and finished in lime plaster. The façade is ornate and finished in decorative plaster work.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department

11444—C.S.—H.G.P., Pkl.